राजभाषा प्रकोष्ठ

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय

क्षेत्रीय कार्यान्वयन (मध्य), भोपाल द्वारा विश्वविद्यालय का राजभाषा निरीक्षण

निरीक्षण प्रतिवेदन

(दिनांक 08 अप्रैल, 2025)

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय

सागर - 470 003 (म.प्र.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय का राजभाषा निरीक्षण

(08 अप्रैल, 2025)

विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए समय–समय पर न केवल विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आंतरिक राजभाषा निरीक्षण बल्कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, शिक्षा मंत्रालय व राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय और उच्चस्तरीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा राजभाषा निरीक्षण किया जाता है। इस क्रम में विश्वविद्यालय में संघ की राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के अंतर्गत क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), भोपाल के कार्यालयाध्यक्ष एवं उपनिदेशक कार्यान्वयन श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा द्वारा दिनांक 08 अप्रैल, 2025 (मंगलवार) को विश्वविद्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण कार्यक्रम का ब्यौरा निम्नानुसार है :–

(क) राजभाषा प्रकोष्ठ के साथ बैठक एवं विचार–विमर्श :

अपने निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान निरीक्षणकर्ता अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा द्वारा सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ के राजभाषा अधिकारी एवं संयुक्त कुलसचिव श्री संतोष सोहगौरा, हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना एवं उच्च श्रेणी लिपिक श्री विनोद रजक के साथ बैठक कर राजभाषा कार्यान्वयन

की समीक्षा एवं विचार–विमर्श किया। इस दौरान राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से विश्वविद्यालय में राजभाषा की प्रगामी प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने निरीक्षणकर्ता को अवगत कराया कि माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं प्रोत्साहन से विश्वविद्यालय में न केवल राजभाषा हिन्दी बल्कि अन्य भारतीय भाषाओं को निरंतर प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इससे विश्वविद्यालय में बहुभाषिक संस्कृति का निरंतर पुष्पन–पल्लवन हो रहा है। श्री मेहरा ने राजभाषा प्रकोष्ठ के साथ निरीक्षण प्रश्नावली, राजभाषा प्रगति से संबंधित आंकड़ों एवं अन्य दस्तावेजों का निरीक्षण करते हुए विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में राजभाषा प्रकोष्ठ के अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा, हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना एवं उच्च श्रेणी लिपिक श्री विनोद रजक के कार्य को सराहा। विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति की अपार संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा ने राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन संबंधी महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए।

राजभाषा प्रदर्शनी का अवलोकन :

विचार–विमर्श के दौरान श्री मेहरा ने राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा प्रदर्शित राजभाषा प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा संचालित विभिन्न प्रोत्साहन गतिविधियों, प्रतियोगिताओं, प्रकाशनों एवं छायाचित्रों के माध्यम से निरीक्षणकर्ता को राजभाषा प्रकोष्ठ के प्रयासों से अवगत कराया। श्री मेहरा ने राजभाषा प्रकाशनों की सराहना करते हुए राजभाषा प्रदर्शनी की भूरी–भूरी प्रशंसा की।

(ख) विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुभागों/विभागो का भौतिक निरीक्षण :

श्री मेहरा ने विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग की प्रगति के निरीक्षण हेतु विश्वविद्यालय परिसर स्थित विभिन्न अनुभागों एवं कार्यालयों का भ्रमण कर राजभाषा कार्यान्वयन की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किया जिसका ब्यौरा निम्नानुसार है :–

(i) स्थापना एवं प्रशासन अनुभाग :

श्री मेहरा ने कार्मिक प्रबंधन अनुभागा को किसी भी कार्यालय का सबसे महत्त्वपूर्ण

अंग बताते हुए सर्वप्रथम प्रशासनिक भवन स्थित स्थापना अनुभाग का निरीक्षण किया। कार्मिकों के स्वीकृत एवं रिक्त पदों तथा उनके हिन्दी ज्ञान से संबंधित जानकारी प्राप्त करते हुए श्री मेहरा ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सेवा–पुस्तिकाओं में दर्ज प्रविष्टियों, विभिन्न पंजियों, अवकाश से संबंधित पंजियों एवं फाइलों पर की जाने वाली टिप्पणियों का अवलोकन किया तथा महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए।

राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने बताया कि विश्वविद्यालय के 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान रखते हैं इसलिए विश्वविद्यालय द्वारा अधिकाधिक कार्य हिन्दी में ही किया जाता है। निरीक्षण के दौरान राजभाषा प्रकोष्ठ के अभिषेक सक्सेना एवं विनोद रजक सहित स्थापना अनुभाग के सहायक कुलसचिव श्री आशीष कुमार तिवारी, सहायक कुलसचिव परीक्षा श्रीमती ए. लक्ष्मी, स्थापना अनुभाग के अनुभाग अधिकारी डॉ. उदय श्रीवास्तव सहित स्थापना एवं अवकाश शाखा के कर्मचारीगण श्री अजय सेवते, श्री रघुराज सिंह ठाकुर, श्री अभिनव अग्निहोत्री, श्री प्रभांशु, श्री जितेन्द्र सैनी एवं श्री प्रशांत कुमार आदि उपस्थित रहे।

(ii) वित्त एवं लेखा अनुभाग :

श्री मेहरा ने वित्त एवं लेखा अनुभाग का निरीक्षण करते हुए कहा कि अनुभाग द्वारा किए जाने वाले पत्राचार में हिन्दी का उत्कृष्ट प्रयोग सराहनीय है। कर्मचारियों को वेतन, पेंशन, अदेय प्रमाण–पत्र संबंधी सूचनाएं राजभाषा में प्राप्त होने पर उसकी सम्प्रेषणीयता भी बेहतर होती है। अनुभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अनुभाग में उपयोग किए जाने वाले ऑनलाइन पोर्टल्स/सॉफ्टवेयरों में भी हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान राजभाषा अधिकारी श्री सोहगौरा एवं राजभाषा प्रकोष्ठ के कर्मचारियों सहित वित्ताधिकारी श्री कुलदीपक शर्मा, सहायक कुलसचिव श्री दीपक कुमार शाक्य, अनुभाग अधिकार डॉ. अशोक सैनी एवं रोहित रघुवंशी तथा अनुभाग के समस्त लिपिक संवर्गीय कर्मचारीगण उपस्थित रहे। राजभाषा अधिकारी ने निरीक्षणकर्ता को बताया कि विश्वविद्यालय का वार्षिक लेखा एवं पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन नियमित रूप से राजभाषा प्रकोष्ठ के सहयोग से द्विभाषी में तैयार किया जाता है। यही प्रतिवेदन संसद के पटल पर भी प्रस्तुत किया जाता है।

(iii) भारतीय भाषा प्रकोष्ठ :

इसके उपरांत निरीक्षणकर्ता द्वारा कौटिल्य भवन स्थित 'भारतीय भाषा प्रकोष्ठ' का दौरा किया गया। मंत्रालय के निर्देशानुसार गठित इस प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. देवाशीष बोस ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति– 2020 के आलोक में विश्वविद्यालय में बहुभाषिकता को बढ़ावा देने तथा भारतीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तक निर्माण के संबंध में किये जा रहे प्रयासों पर केन्द्रित प्रस्तुतिकरण दिया तथा विश्वविद्यालय में उक्त कार्यों की प्रगति पर केन्द्रित लघुचित्र भी प्रदर्शित किया। समिति ने भारतीय भाषाओं के संरक्षण के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। प्रो. बोस ने अवगत कराया के विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा भारतीय भाषाओं में लिखित 12 पुस्तकों का विमोचन राष्ट्रीय शिक्षा समागम में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से किया गया। विश्वविद्यालय की यशस्वी कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में पुस्तक लेखन का कार्य अनवरत जारी है वर्तमान में भी लगभग 06 भाषाओं में पुस्तकें तैयार हैं तथा शेष पर कार्य प्रगति में है। निरीक्षण के दौरान राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा भी उपस्थित रहे।

(iv) जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय :

राजभाषा प्रकोष्ठ के निरीक्षण के उपरांत श्री मेहरा ने विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय 'जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय' का भ्रमण किया। पुस्तकालय के भ्रमण के दौरान श्री मेहरा ने पुस्तकालय भवन में प्रदर्शित सामग्री का

अवलोकन किया। पुस्तकालय की कार्यप्रणाली को समझते हुए विभिन्न विषयों के कैटेलॉग, पुस्तक प्रखंडों तथा हिन्दी में उपलब्ध पुस्तकों तथा भारत के संविधान की प्रति का अवलोकन किया। निरीक्षणकर्ता के साथ मौजूद राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने बताया कि यह पुस्तकालय मध्यप्रदेश का सबसे वृहत् पुस्तकालय है जिसमें लाखों की संख्या में उच्चकोटि की पुस्तकें उपलब्ध हैं। इस दौरान पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मोहन टी.ए., सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मुकेश साहू एवं सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. अनुराग श्रीवास्तव सहित पुस्तकालय के अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

(v) सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ :

विश्वविद्यालय की वेबसाइट एवं अन्य आईसीटी सेवाओं में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग की स्थिति का जायजा लेने के लिए श्री मेहरा ने सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ का दौरा किया। उन्होंने प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. रूपेन्द्र जुगल चौरसिया से विश्वविद्यालय की वेबसाइट के हिन्दी संस्करण के संबंध में विस्तार से चर्चा की एवं महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए। श्री मेहरा ने विश्वविद्यालय के कार्यालयों में प्रयोग में लिए जा रहे कम्प्यूटरों पर हिन्दी एवं द्विभाषी में कार्य करने की सुविधा उपलब्ध होने पर प्रकोष्ठ की सराहना की। उन्होंने विश्वविद्यालय की वेबसाइट के हिन्दी संस्करण को निरतंर अद्यतनीकृत करने तथा हिन्दी वेबसाइट को मूल मुख्य पृष्ठ के रूप में रखने का सुझाव दिया। राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने वेबसाइट पर राजभाषा प्रकोष्ठ की उपस्थिति महत्त्वपूर्ण स्थानों पर होने की ओर श्री मेहरा का ध्यान आकृष्ट किया। निरीक्षण के दौरान डॉ. रूपेन्द्र जुगल चौरसिया, श्री सचिन सिंह गौतम सहित प्रकोष्ठ के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

(vi) गौर संग्रहालय :

निरीक्षण के दौरान श्री मेहरा को राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने गौर संग्रहालय की विशेषता बताते हुए कहा कि यह संग्रहालय विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉक्टर सर हरीसिंह गौर से जुड़ी विरासत को संजोने के लिए माननीया कुलपति महोदया की अभिनव संकल्पना है जिसमें डॉ. गौर के व्यक्तिगत पुस्तकालय एवं उनके द्वारा रचित साहित्य, उनके जीवनकाल के विभिन्न चित्रों आदि को महत्त्वपूर्ण स्थान दिया गया है। इस संग्रहालय में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से जुड़ी संग्रहणीय सामग्री को भी स्थान दिया जा रहा है। श्री मेहरा ने डॉक्टर गौर के व्यक्तित्व से प्रभावित होते हुए कहा कि ऐसे विद्वान एवं महादानी डॉ. गौर की पुण्यभूमि पर कदम रखकर वे स्वयं को धन्य महसूस कर रहे हैं।

(ग) विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता से सौजन्य भेंट :

श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा ने विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता से सौजन्य भेंट करते हुए विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ के राजभाषा अधिकारी एवं संयुक्त कुलसचिव श्री संतोष सोहगौरा एवं राजभाषा प्रकोष्ठ के कर्मचारियों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और कहा कि विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन के लिए किए जा रहे कार्य अन्य सरकारी कार्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन के लिए अपार संभावनाएं निहित हैं।

माननीया कुलपति महोदया ने श्री मेहरा को अवगत कराया कि अभी हाल में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की राजभाषा निरीक्षण समिति द्वारा भी विश्वविद्यालय के राजभाषा कार्यान्वयन एवं उनके प्रकाशनों की सराहना की है जो कि विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि श्री संतोष सोहगौरा के नेतृत्व में विश्वविद्यालय का राजभाषा प्रकोष्ठ प्रशंसनीय कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालयीन राजभाषा कार्यान्वयन समिति की पदेन अध्यक्ष होने के नाते माननीया कुलपति ने श्री मेहरा को आश्वस्त कराया कि विश्वविद्यालय राजभाषा एवं अन्य भारतीय भाषाओं के संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

इस प्रकार क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के कार्यालयाध्यक्ष एवं उपनिदेशक (कार्यान्वयन) श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा द्वारा विश्वविद्यालय का राजभाषा निरीक्षण कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। निरीक्षण कार्यक्रम का समन्वयन संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी (प्र.) श्री संतोष सोहगौरा द्वारा किया गया। विशेष सहयोग राजभाषा प्रकोष्ठ के हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना एवं उच्च श्रेणी लिपिक श्री विनोद रजक का रहा।

×××

फोटो गैलरी

संथाली
बंगला
बोड़ो
मराठी
डोगरी
सागरिका
प्रकाशन
राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
राजभाषा निरीक्षण कार्यक्रम
हार्दिक अभिनंदन करता है
प्रशासनिक शब्दावली
Glossary of Administrative Terms

कन्नड़
हिन्दी
कश्मीरी
मणिपुरी
गुजराती
नेपाली
तमिल
कोंकणी
तेलुगु
मैथिली
पंजाबी
संथाली
बंगला
बोड़ो
मराठी
डोगरी
राजभाषा प्रदर्शनी
राजभाषा निरीक्षण कार्यक्रम
हार्दिक अभिनंदन करता है

भारतीय भाषा प्रकोष्ठ- उद्देश्य एवं कार्य
पाठ्यपुस्तक लेखन-अनुवाद
उद्देश्य

भारतीय भाषा प्रकोष्ठ

रविशंकर शुक्ल
(१८३४-२०१३ सं.)
(१८७७-१९५६ ई.)
संस्थापक कुलपति

सूचना प्रोद्यौगिकी प्रकोष्ठ
Information Technology Cell (I.T.Cell)

जवाहर लाल नेहरु ग्रंथालय
JAWAHAR LAL NEHRU LIBRARY

"OFFICE, ACQUISITION &
TECHNICAL SECTION
CONSTITUTION OF INDIA

समाचार–पत्रों की कतरनें

राजभाषा निरीक्षण में विवि को मिली सराहना, हिन्दी के प्रति समर्पण की प्रशंसा

▸ प्रेरणा स्रोत बन रहा विश्वविद्यालय का राजभाषा प्रकोष्ठ

सागर, देशबन्धु। गृह मंत्रालय भारत सरकार के राजभाषा विभाग के अंतर्गत क्षेत्रीय कार्यान्वियन कार्यालय मध्य भोपाल के उपनिदेशक नरेन्द्र सिंह मेहरा ने मंगलवार को विश्वविद्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विवि में हिन्दी के प्रभावी क्रियान्वयन की सराहना करते हुये उन्होंने कहा कि विवि का कार्य अन्य संस्थानों के लिये प्रेरणास्रोत है। निरीक्षण के प्रारंभ में मेहरा ने राजभाषा प्रकोष्ठ के राजभाषा अधिकारी एवं संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा तथा अन्य कर्मचारियों से भेंट की। इस अवसर पर सोहगौरा ने पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से विवि में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के सतत प्रोत्साहन से विवि में न केवल हिन्दी बल्कि अन्य भारतीय भाषाओं को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। मेहरा ने कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता से सौजन्य भेंट कर राजभाषा कार्यान्वियन के लिये विवि की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि विवि में हिन्दी के प्रयोग की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास हो रहे हैं और इसकी व्यापक संभावनायें मौजूद हैं। कुलपति ने उन्हें अवगत कराया कि हाल ही में विवि अनुदान आयोग की राजभाषा निरीक्षण समिति ने भी विवि के कार्यों की प्रशंसा की है। निरीक्षण के दौरान मेहरा ने प्रशासनिक भवन, वित्त एवं लेखा अनुभाग, स्थापना अनुभाग सहित विभिन्न अनुभागों का भ्रमण किया। उन्होंने हिन्दी में पत्राचार और दस्तावेजों के संधारण की प्रशंसा की तथा सॉफ्टवेयरों और पोर्टल्स में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग पर बल दिया। संग्रहालय निरीक्षण के दौरान गौर संग्रहालय की विशेषता बताते हुये राजभाषा अधिकारी सोहगौरा ने बताया कि यह संग्रहालय विवि के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर की विरासत को संजोने का अनूठा प्रयास है, जिसमें उनके निजी पुस्तकालय और साहित्यिक कृतियों को प्रदर्शित किया गया है। इस अवसर पर वित्ताधिकारी कुलदीपक शर्मा, सहायक कुलसचिव दीपक शाक्य, आशीष कुमार तिवारी, ए. लक्ष्मी सहित अनेक अनुभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। निरीक्षण कार्यक्रम का समन्वयन संतोष सोहगौरा ने किया तथा विशेष सहयोग अभिषेक सक्सेना और विनोद रजक का रहा।

पोर्टल में भी हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग सुनिश्चित करें: मेहरा

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के अंतर्गत क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय भोपाल के कार्यालयाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह मेहरा ने राजभाषा निरीक्षण किया। मेहरा ने विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ के राजभाषा अधिकारी एवं संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा एवं विचार-विमर्श किया। राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने पीपीटी से विश्वविद्यालय में राजभाषा की प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के प्रोत्साहन से विश्वविद्यालय में न केवल राजभाषा हिंदी बल्कि अन्य भारतीय भाषाओं को निरंतर प्रोत्साहन दिया जा रहा है। मेहरा ने कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता से भेंट कर कहा विश्वविद्यालय द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन के लिए किए जा रहे कार्य अन्य सरकारी कार्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं। विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन के लिए अपार संभावनाएं निहित हैं। कुलपति ने

आश्वस्त कराया कि विश्वविद्यालय राजभाषा एवं अन्य भारतीय भाषाओं के संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। अनुभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से बात करते हुए उन्होंने कहा अनुभाग में उपयोग किए जाने वाले ऑनलाइन पोर्टल्स/सॉफ्टवेयरों में भी हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

khabar1minit.blogspot.com/2025/04/blog-post_8.html

HOME ABOUT CONTACT

Home Features Documentation Download This Template

Home > कार्मिकों में राजभाषा हिन्दी के प्रति प्रेम एवं समर्पण की सराहना

कार्मिकों में राजभाषा हिन्दी के प्रति प्रेम एवं समर्पण की सराहना

Journalist Sharad shrivastav April 08, 2025

08 अप्रैल, 2025 मंगलवार विश्वविद्यालय परिसर।विश्वविद्यालय में राजभाषा के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए समय-समय पर न केवल विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा बल्किविश्वविद्यालय अनुदान आयोग, शिक्षा मंत्रालय व राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय और उच्चस्तरीय संसदीय समिति द्वारा राजभाषा निरीक्षण किया जाता है। इस क्रम में विश्वविद्यालय में संघ की राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के अंतर्गत क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय मध्य भोपाल के कार्यालयाध्यक्ष एवं उपनिदेशक कार्यान्वयन नरेन्द्र सिंह मेहरा द्वारा विश्वविद्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया गया मेहरा द्वारा सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ के राजभाषा अधिकारी एवं संयुक्त कुलसचिवसंतोष सोहगौरा एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा एवं विचार-विमर्श किया। इस दौरान राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से विश्वविद्यालय में राजभाषा की प्रगामी प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने निरीक्षणकर्ता को अवगत कराया कि कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं प्रोत्साहन से विश्वविद्यालय में न केवल राजभाषा हिन्दी बल्कि अन्य भारतीय भाषाओं को निरंतर प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इससे विश्वविद्यालय में बहुभाषिक संस्कृति का निरंतर पुष्पन-पल्लवन हो रहा है नरेन्द्र सिंह मेहरा ने विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता से सौजन्य भेंट करते हुए विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन के लिए किए जा रहे कार्य अन्य सरकारी कार्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन के लिए अपार संभावनाएं निहित हैं।

शुभकामना संदेश

(5)

अधोहस्ताक्षरी द्वारा आज दिनांक 8/5/2025 को डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर का राजभाषा हिन्दी संबंधी निरीक्षण किया और निरीक्षण के दौरान पाया कि सभी कार्मिक राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं और बड़े उत्साह के साथ दैनिक कार्यों में हिन्दी का इस्तेमाल करते हैं, राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रकाशन, पत्रिकाएँ, न्यूज़लेटर संबंधी कार्य विशेष रूप से सराहनीय है। विश्वविद्यालय में राजभाषा हिन्दी के प्रति बहुत अच्छा वातावरण है। माननीया कुलपति महोदया के नेतृत्व में राजभाषा पीठ के प्रयास विशेष रूप से सराहनीय हैं। मैं विश्वविद्यालय के उच्च प्रबंधन की निगरानी एवं राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए बधाई देता हूँ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

8/5/2025

नरेन्द्र सिंह मेहरा
उप निदेशक (कार्यान्वयन)
गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग
क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, भोपाल

सत्यमेव जयते

भारत सरकार / Govt. of India

गृह मंत्रालय / Ministry of Home Affairs,

राजभाषा विभाग / Department of Official Language

क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), भोपाल

Regional Implementation Office (Central), Bhopal

52-ए, निर्माण सदन, कमरा नं. 206, द्वितीय तल, अरेरा हिल्स, भोपाल - 462 011 (मध्य प्रदेश)

52-A, Nirman Sadan, Room No.206, Second Floor, Arera Hills, Bhopal – 462 011 (Madhya Pradesh)

दूरभाष / Telephone 0755 - 314 7763 ईमेल / Email – riocentralbhopal@gmail.com

14/04/25 / क्षे.का.का.भोपाल / रा.नि.म.क्षे. / 1819 **दिनांक : 06 मार्च, 2025**

सेवा में,

माननीय कुलपति महोदय,
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय,
विश्वविद्यालय मार्ग, सागर - 470 003 (मध्यप्रदेश)

विषय :- केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों / उपक्रमों / राष्ट्रीयकृत बैंकों आदि में राजभाषा संबंधी निरीक्षण / विचार विमर्श।

महोदय,

देश भर में फैले केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों / उपक्रमों / बैंकों / स्वायत्त निकायों आदि में संघ की राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के अंतर्गत क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य) भोपाल को मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ स्थित केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों, उपक्रमों एवं बैंकों आदि में राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने का दायित्व सौंपा गया है। इसलिए इस कार्यालय के अधिकारियों द्वारा विभिन्न कार्यालयों, उपक्रमों, बैंकों आदि में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग एवं राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति की जांच करने के लिए समय-समय पर निरीक्षण किया जाता है।

2. इसी क्रम में **अधोहस्ताक्षरी द्वारा <u>दिनांक 08 अप्रैल 2025 को 10:30 बजे</u> आपके कार्यालय** का **राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी निरीक्षण** करने का प्रस्ताव है। कृपया संबंधित अधिकारियों को निदेश दें कि उक्त अवसर पर निरीक्षण में सहयोग करें। निरीक्षण के समय निम्नलिखित रिकार्ड भी उपलब्ध कराएं जाएँ :- **(1) हिंदी में किए गए कार्यों का विवरण (2) अद्यतन तिमाही प्रगति रिपोर्ट (3) राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों के कार्यवृत्त (4) राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत जारी दस्तावेजों का रिकॉर्ड (5) प्रेषण रजिस्टर (6) कार्यालय द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित उल्लेखनीय कार्यों का विवरण (7) हिंदी प्रशिक्षण रोस्टर आदि ।**

3. तीन-चार अनुभागों यथा :- कार्मिकों एवं प्रशासनिक, स्थापना एवं लेखा, वित्त विभाग, तकनीकी अनुभाग आदि में राजभाषा कार्यान्वयन एवं हिंदी के मूल प्रयोग के संबंध में विस्तृत भौतिक निरीक्षण किया जाएगा। अत: अपने कार्यालय के तीन-चार प्रमुख विभागों / अनुभागों को इस संबंध में पहले से ही रिकॉर्ड इत्यादि उपलब्ध करवाने हेतु आवश्यक निदेश देने की कृपा करें।

4. **यह भी अनुरोध है कि निरीक्षण के दौरान चर्चा हेतु कार्यालय प्रमुख कुछ समय देने का कष्ट करें ताकि राजभाषा कार्यान्वयन के संबंध में सार्थक चर्चा की जा सके।**

5. निरीक्षण प्रश्नावली संलग्न है, जिसे भरकर निरीक्षण के समय प्रस्तुत किया जाए। पत्र प्राप्ति की सूचना एवं निरीक्षण की पुष्टि करने की कृपा करें। **इस निरीक्षण के संबंध में अपने नियंत्रक कार्यालय को भी सूचित करने का कष्ट करें, ताकि निरीक्षण में नियंत्रक कार्यालय का प्रतिनिधित्व हो सके।**

भ व दी य,

संलग्नक : यथोक्त,

सागर

6/3/2025

(नरेन्द्र सिंह मेहरा)
उप निदेशक (कार्यान्वयन)
मोबाईल नं. 09911216373